डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध अधिष्ठान,
11–अशोक रोड, नई दिल्ली
www.indiannationalism.org
राष्ट्रीय घटनाक्रम गवाक्ष मालिका– वेबसाइट पर उपलब्ध
क्रमांक–सात

परमाणु समझौता भारत के हित में नहीं – प्रो. सतीश चन्द्र

शनिवार, 11 अक्तूबरः नई दिल्ली स्थित विवेकानंद केन्द्र की मासिक वार्ता श्रृंखला 'विमर्श' में इस बार 'परमाणु समझौता और भारत' विषय पर चर्चा की गयी। इस परिचर्चा में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के पूर्व राष्ट्रीय सचिव प्रो. सतीश चन्द्रा भारत–अमरिका परमाणु समझौते से जुड़ी कई भ्रांतियों को बड़ी ही सूक्ष्मता से प्रकाश में लाए। परिचर्चा का संचालन श्री अजीत कुमार धवल ने किया।

प्रो. सतीश चन्द्रा ने मौजूदा भारत–अमरीका परमाणु करार को संदेहास्पद बताते हुए कहा कि इस मसौदे के बारे में अभी तक कोई यह नहीं समझ पा रहा है कि आखिर वास्तव में होना क्या हैं। श्री चन्द्रा ने मौजूदा परमाणु–करार की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए कहा कि करार पर दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के हस्ताक्षर के बाद भी '123' और 'हाइड एक्ट' अभी भी हम–सब के लिए एक अबूझ पहेली साबित हो रहा है, जो कि करार का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 18 जुलाई 2005 को जब प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश से मिले थे, तब से लेकर आज तक यह करार काफी तकनीकी भ्रमों और तनाव से पूर्ण रहा हैं।

परमाणु करार को भारत के लिए नकारात्मक बताते हुए प्रो. सतीश चंद्र ने कहा कि इसके द्वारा हम 2020 तक अपनी विद्युत उत्पादक क्षमता को 3 प्रतिशत से बढ़ाकर सिर्फ 6 प्रतिशत तक ही कर सकते है साथ ही यह प्रक्रिया काफी खर्चीली साबित होगी। इससे काफी कम खर्च में हम अपने प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर कहीं ज्यादा विद्युत का उत्पादन कर सकते हैं जो कि पर्यावरण के लिए भी अनुकूल साबित होगा।

उन्होंने कहा कि हमारे यहां यूरेनियम की कमी को लेकर जो मीडिया में बाते आई है वे बिल्कुल निराधार है। हमारे पास पर्याप्त मात्रा में यूरेनियम मौजूद है सिर्फ हम उसका ठीक से शोधन कर उसे परिरक्षित नहीं कर पा रहे हैं।

श्री चन्द्रा ने भारत–अमरीका परमाणु करार को मीडिया में कुछ ज्यादा ही सुर्खियों में लाने की सरकार के प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार को इस करार से जुड़े प्रत्येक सूक्ष्म कानूनों को फिर से अध्ययन करने की जरूरत है। कार्यक्रम के अंत में श्री अजीत कुमार धवल ने प्रो. चन्द्रा का आभार व्यक्त किया और विवेकानंद केन्द्र के श्री इन्द्र प्रकाश द्वारा वाचित 'सर्वे भवन्तु सुखिना, सर्वे सन्तु निरामया........ के शांति मंत्र से कार्यक्रम समाप्त किया गया।

प्रदीप कुमार मिश्रा
डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध अधिष्ठान

डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध अधिष्ठान,
सभ्यता मूलक विमर्श एवं नीति अनुसंधान केन्द्र,
11, अशोक मार्ग, नई दिल्ली–110 001

संपर्क सूत्र :– 011– 23005735–14/23005700 (एक्सटे.714)
टेलीफैक्स :– 011–23382569/23005787
अणुडाक :– director@indiannationalism.org